लेखकों से निवेदन

१. समस्त सामाजिक विज्ञानों से सम्बन्धित शोध लेख,समीक्षा लेख तथा पुस्तक समीक्षाएं ''राधाकमल मुकर्जी : चिन्तन परम्परा'' में प्रकाशनार्थ आमन्त्रित हैं।

२. लेख के अंत में अपने हस्ताक्षर के साथ यह प्रमाण-पत्र अवश्य दिया जाये कि लेख लेखक की मौलिक कृति है तथा न तो अन्यत्र प्रकाशित हुआ है और न ही प्रकाशनार्थ कहीं प्रेषित किया गया है।

३. केवल हिन्दी में लिखे हुए लेख ही स्वीकार किये जा सकेंगे।

४. लेख दो प्रतियों में फुलस्केप पृष्ठ पर **(साफ्ट कापी, पेजमेकर अथवा एम.एस. वर्ड में क्रुतिदेव ०१० फॉन्ट)** टंकित कराकर भेजे जायें। शोध आलेख ५०००-८००० शब्दों के बीच होना चाहिए। लेख के साथ लेख का सार-संक्षेप यथासंभव २०० शब्दों की सीमा के अन्तर्गत अवश्य भेजा जाये।

५. प्रकाशन हेतु प्राप्त शोध लेख 'रेफरी बोर्ड' में दिए गये विषय विशेषज्ञों के पास समीक्षा हेतु भेजे जायेंगे। उनकी स्वीकृति/अस्वीकृति/आवश्यक संशोधनों के आधार पर ही प्रकाशित किया जाना संभव होगा।

६. लेख में प्रयुक्त टिप्पणियों एवं उद्धरणों की संदर्भ-सूची लेख के अन्त में उसी क्रम में लिखी जाये, जिस क्रम में उनका प्रयोग लेख में किया गया हो। लेख में उनके संकेत क्रमांक में किये जायें। **अंग्रेजी के संदर्भ ग्रन्थों को अंग्रेजी भाषा में तथा हिन्दी ग्रन्थों को हिन्दी भाषा में लिखा जाय।** संदर्भ-सूची में उद्धरण स्रोत का विवरण इस क्रम से करें-

'ग्रंथ'- लेखक का नाम, ग्रंथ का शीर्षक, प्रकाशक, प्रकाशन स्थान, प्रकाशन वर्ष, पृष्ठ संख्या

'लेख'- लेखक का नाम, लेख का शीर्षक, पत्रिका का नाम, पत्रिका की खण्ड एवं अंक संख्या, प्रकाशन वर्ष, पृष्ठ-संख्या।

७. अनुभवाश्रित लेख- भूमिका, साहित्य समीक्षा, अध्ययन के उद्देश्य एवं शोध पद्धति तथा विश्लेषण एवं निष्कर्ष शीर्षकों के अन्तर्गत लिखे जायें।

८. किसी भी लेख को स्वीकार अथवा अस्वीकार करने का अधिकार सम्पादक मण्डल को होगा।

९. पुस्तक समीक्षा हेतु नव प्रकाशित ग्रंथों की दो प्रतियाँ प्रकाशन के छः माह के अन्दर सम्पादक के नाम प्रेषित की जायें।

१०. संस्थान की नीति सदैव मौलिक शोध को प्रोत्साहित करने की रही है। अतः लेखकों से अनुरोध है कि वे अपने मौलिक शोध से संबंधित लेख ही प्रकाशनार्थ प्रेषित करें। यदि लेख में किसी अन्य व्यक्ति के संबंधित विषय पर शोध या विचार की चर्चा आवश्यक हो तो उसका उल्लेख उद्धरणों में अवश्य किया जाये।

११. ऐसे लेख जो किसी विषय वर्ग, जाति, सम्प्रदाय की अन्य वर्गों के प्रति श्रेष्ठता सिद्ध करने का प्रयास करते हों, प्रकाशित नहीं किया जायेगा।

१२. केन्द्र एवं राज्य सरकारों की नीतियों एवं उनके द्वारा वंचित वर्गों के लाभार्थ चलायी जा रही योजनाओं एवं उनके प्रभावों से संबंधित शोध पत्रों का संस्थान द्वारा प्राथमिकता के आधार पर प्रकाशन किया जाता है।

१३. **लेख एवं प्रकाशन सम्बन्धी समस्त पत्र-व्यवहार का पता-सम्पादक, ''राधाकमल मुकर्जी : चिन्तन परम्परा'', २९ गार्डन सिटी कालोनी, पीलीभीत बाईपास रोड, पोस्ट श्यामगंज, बरेली-२४३००५।**

१४. लेखकों को पत्रिका की एक प्रति निःशुल्क प्रदान की जायेगी।